खोजो 'महा' बनो 'महावीर'

1. भगवान नेमिनाथ का वर्णन किस हिन्दु ग्रन्थ में आता है? महाभारत
2. चक्रवर्ती की एक निधि का नाम - महाकाल
3. ऋषभदेव की पत्नी के भाई का नाम - महाकच्छ
4. सबसे अधिक नाम वाले तीर्थंकर - महावीर
5. भगवान आदिनाथ का किसी पूर्वभव में नाम था - महाबल
6. चक्रवर्ती द्वारा की जाने वाली पूजा - महामह
7. चाँदी के समान वर्णवाला एक कुलाचल पर्वत - महाहिमवन्
8. जिस विधान में मौत का पर्यायवाची शब्द आता है - महामृत्युंजय
9. चैत्र सुदी तेरस को आने वाला त्यौहार - महावीर जयन्ती
10. भगवान अजितनाथ के यक्ष का नाम - महायक्ष
11. तप ऋद्धि का एक भेद - महातप
12. वासुपूज्य मुनि की प्रथम पारणा स्थली -
13. 'वीर हिमाचल ...' में मोह को कहा है - महाचल
14. नवें चक्रवर्ती का नाम -
15. अनंतनाथ के समय में होने वाले एक नारद का नाम -
16. सातवीं नरक पृथ्वी का नाम - महातम
17. एक तीर्थंकर के पिता का नाम - महासेन (8)

TITLE Notes

DATE MONTH YEAR

Mo Tu We Th Fr Sa Su

18. दूसरे नारद का नाम - महाभीम
19. भविष्यकाल के प्रथम तीर्थंकर - महापद्म
20. रोहित और हरिकांता नदियाँ किस सरोवर से निकलती है - महापद्म
21. दसवें स्वर्ग का नाम - महाशुक्र
22. साधु परमेष्ठि द्वारा पाले जाने वाले व्रत - महाव्रत
23. इंद्रकेतु पूजा किनके द्वारा की जाती है - महामंडलेश्वर राजा
24. उत्तरपुराण किस पुराण का पूरक भाग है - महापुराण
25. भूतकाल के एक तीर्थंकर - महासाधु (3)
26. णमोकार मंत्र को कहते हैं - महामंत्र
27. अष्टापद से मोक्ष जाने वाले एक मुनिराज - महाबाल
28. कविवर भागचंद रचित एक स्तुति का नाम - महाविराष्टक स्तोत्र
29. महोरग जाति के एक व्यंतर इन्द्र का नाम - महाकाय

DATE MONTH YEAR Mo Tu We Th Fr Sa Su TITLE

Notes

जपो नाम 'वीर'

1. दुषमा काल के अंतिम मुनि - वीरांगद
2. धवला टीका के रचनाकार - वीरसेन
3. नेमिनाथ की प्रथम पारणा नगरी - वीरपुर
4. दीपावली से बदलने वाला संवत् - वीर निर्वाण
5. सावन मास में आने वाली एक जयंती - वीर शासन
6. आदिपुराण के रचयिता जिनसेनाचार्य के गुरु का नाम - वीरसेन
7. विहरमान 20 तीर्थंकरों में एक -

Scanned with CamScanner

TITLE

Mo Tu We Th Fr Sa Su — DATE MONTH YEAR

Notes

करो माथापच्ची, बताओ संख्या सच्ची

1. संसारी जीवों के भेद में किनकी संख्या से गुणा करने पर श्रावक के मूलगुणों की संख्या आ जाए -
2 × 4 (कषाय) = 8 मूलगुण

2. इन्द्रियों की संख्या में किनकी संख्या से गुणा करने पर कषाय की कुल संख्या आती है - 5 × 5 (पाप) = 25

3. तत्त्वों की संख्या में किसका गुणा करे कि शलाका पुरुषों की संख्या आ जाए - 7 × 9 (देवता) = 63

4. स्वर्गों की संख्या में किनका गुणा करें कि भक्तामर के श्लोकों की संख्या आ जाए - 16 × 3 (गुप्ति) = 48

5. सिद्ध के मूलगुणों में क्या घटाने पर रत्नों की संख्या आ जाए - 8 - 5 (महाव्रत) = 3

6. ज्ञान की संख्या के साथ किनका गुणा करने पर णमोकार मंत्र के अक्षरों की संख्या आ जाती है - 5 × 7 (नरक) = 35

Scanned with CamScanner

DATE MONTH YEAR Mo Tu We Th Fr Sa Su TITLE

Notes

7. कुलाचल पर्वतों की संख्या को किनकी संख्या से गुणा करने पर आचार्य के मूलगुणों की संख्या आ जाए-
6 × 6 (लेश्या) = 36

8. शिक्षाव्रतों की संख्या को किनसे गुणा करने पर भगवान महावीर की आयु आती है- 4×18 (दोष) = 72

9. सम्यग्दर्शन के दोषों में किसकी संख्या कम करने पर पार्श्वनाथ की ऊंचाई ज्ञात होती है- 25-16 (स्वर्ग) = 9

10. ध्यान की संख्या में किनकी संख्या जोड़े की धर्मों की संख्या आ जाए - 4+6 (आवश्यक) = 10

DATE MONTH YEAR Mo Tu We Th Fr Sa Su

Notes

One in Tow

प्रश्न दो, उत्तर एक

1. दान का भेद, महाराजा श्रेणिक के पुत्र का नाम - अभय
2. पर्याप्ति का भेद, मार्गणा का भेद - आहार
3. हनुमान की माता, नरक की धूमप्रभा पृथ्वी का अन्य/रूढ़ नाम - अंजना
4. कैकई का पुत्र, हमारा क्षेत्र - भरत
5. वस्तु का स्वभाव, गमन करते हुए जीव व पुद्गलों के गमन में निमित्त - धर्म
6. अवधिज्ञान का भेद, महावीर का नाम - वर्द्धमान
7. एक वर्गणा और एक प्रकार का शरीर - कार्माण
8. चौदहवें कुलकर, ऋषभदेव के पिता - नाभिराय
9. एक तत्त्व तथा पार्श्वनाथ पर उपसर्ग करने वाला देव - संवर
10. नेमिनाथ का वर्ण, एक लेश्या - कृष्ण
11. राम का नाम, जम्बूद्वीप का एक सरोवर - पद्म
12. एक तीर्थंकर, षट्खण्डागम के रचयिता - पुष्पदन्त
13. चक्रवर्ती का चक्र, एक मेरु - सुदर्शन
14. एक द्वीप, अन्तिम अनुबद्ध केवली - जम्बू
15. एक प्रकार के केवली, एक प्रकार का ज्ञान - श्रुत
16. प्रज्ञावान, महावीर भगवान - सन्मति
17. मोहनीय का भेद, एक गुणस्थान - मिथ्यात्व

Scanned with CamScanner

TITLE

Mo Tu We Th Fr Sa Su DATE MONTH YEAR

Notes

18. एक कल्प विमान, एक ग्रन्थ - सर्वार्थसिद्धि
19. नामकर्म की एक प्रकृति, एक प्रकार का भाव - शुभ
20. पुद्गल की एक पर्याय, नामकर्म की प्रकृति - सूक्ष्म
21. एक पक्षी, एक सती - मैना

तीर्थंकर प्रश्नावली

1. 24 तीर्थंकरों में किस तीर्थंकर के नाम में एक कषाय का नाम आता है - वर्द्धमान - मान कषाय
2. किस तीर्थंकर के नाम में अष्ट द्रव्य में से एक द्रव्य का नाम आता है - पुष्पदन्त - पुष्प
3. किनके नाम में भरतक्षेत्र के एक सरोवर का नाम आता है - पद्मप्रभ - पद्म सरोवर
4. किनके नाम में भविष्यकाल की चौबीसी के प्रथम तीर्थंकर का नामांश आता है - पद्मप्रभ, महावीर - महापद्म
5. एक जानवर का नाम - वृषभनाथ
6. तीर्थंकर के नाम में तीर्थंकर का नाम - सुपार्श्वनाथ
7. किसी तीर्थंकर की जन्मस्थली और किसी तीर्थंकर की निर्वाण स्थली - चम्पापुरी (वासुपूज्य)
8. पंचपरमेष्ठि में से एक का नाम एक तीर्थंकर के नाम में - मुनिसुव्रत
9. एक बलभद्र के नाम से तीर्थंकर का नाम - धर्म (3) धर्मनाथ
10. एक बलभद्र के अपर नाम से तीर्थंकर का नाम - राम (8) - पद्म - पद्मप्रभ
11. किसी तीर्थंकर के नाम में द्रव्य का नाम - धर्मनाथ
12. ज्योतिष देवों का इन्द्र - चन्द्र - चन्द्रप्रभ

Scanned with CamScanner

TITLE

DATE MONTH YEAR

Mo Tu We Th Fr Sa Su

Notes

13. शरीर का एक अंग - दन्त - पुष्पदन्त
14. दानतीर्थ के प्रवर्तक - श्रेयांस - श्रेयांसनाथ
15. जितने जीवद्रव्य - अनंत - अनंतनाथ
16. ज्ञान का एक भेद - सुमति - सुमतिनाथ
17. कितनों के नाम 'अ' या 'आ' से - 4/6 (आदिनाथ, अजित, अभिन., अनंत, अर, अति
18. अंग्रेजी अक्षर जिसमें २४ नाम आजाते है - R (आर)
19. भक्तामर स्तोत्र - आदिनाथ
20. अग्नि का स्वभाव उष्ण है तो जल का स्वभाव - शीतल
21. मुनिराज आहार किस विधि से लेते है - सुविधि
22. संसार शब्द का पर्यायवाची - संभवनाथ
23.

Scanned with CamScanner

कौन बनेगा -
अकलंक - निकलंक

1. अनुयोग चार प्रकार के हैं। प्रथमानुयोग, करणानुयोग, चरणानुयोग और द्रव्यानुयोग।

2. कषाय चौकड़ी चार हैं - अनंतानुबंधी कषाय चौकड़ी, अप्रत्याख्यानावरण कषाय चौकड़ी, प्रत्याख्यानावरण कषाय चौकड़ी और संज्वलन कषाय चौकड़ी।

3. क्षपक श्रेणी के गुणस्थान चार हैं - 8 वाँ अपूर्वकरण, 9 वाँ अनिवृत्तिकरण, 10 वाँ सूक्ष्मसाम्पराय, 12 वाँ क्षीणमोह।

4. अस्तिकाय पाँच होते हैं - जीवास्तिकाय, पुद्गलास्तिकाय, धर्मास्तिकाय, अधर्मास्तिकाय, आकाशास्तिकाय।

5. समिति पाँच होती हैं - ईर्या, भाषा, एषणा, आदान-निक्षेपण और प्रतिष्ठापन।

6. पांच तीर्थंकर बाल ब्रह्मचारी हैं - 12 वें वासुपूज्य, 19 वें मल्लिनाथ, 22 वें नेमिनाथ, 23 वें पार्श्वनाथ और 24 वें महावीर स्वामी।

Scanned with CamScanner

TITLE Mo Tu We Th Fr Sa Su DATE MONTH YEAR

Notes

7. मुनियों के छह आवश्यक है - समता, स्तुति, वंदना, स्वाध्याय, प्रतिक्रमण और प्रत्याख्यान।

8. लेश्याएँ छह होती है - कृष्ण लेश्या, नील लेश्या, कापोत लेश्या, पीत लेश्या, पद्म लेश्या, शुक्ल लेश्या।

9. परमागम पाँच हैं। परमेष्ठि पाँच होते हैं। पाप भी पाँच होते हैं। पाँचों परमागमों के रचयिता आचार्य कुन्दकुन्द है।

10. छहढाला में छह ढाल हैं। लेश्याएँ छह होती है। द्रव्यों की जातियाँ छह है। मुनि और श्रावक के आवश्यक भी छह है।

11. तत्त्वार्थसूत्र के रचयिता आचार्य उमास्वामी आचार्य कुन्दकुन्द के शिष्य है। समयसार के कर्ता आचार्य कुन्द कुन्द जिनचन्द्राचार्य के शिष्य है। आदिपुराण के रचयिता आचार्य जिनसेन आचार्य वीरसेन के शिष्य है।

12. णमोकार मंत्र में 35 अक्षर है। मोक्षमार्ग प्रकाशक में नौ अधिकार है। समयसार में 415 गाथाएँ हैं। छहढाला में छह ढाल है। नियमसार में 311 कलश है।

13. आदिपुराण प्रथमानुयोग का ग्रन्थ है। गोम्मटसार करणानुयोग का ग्रन्थ है। रत्नकरण्ड श्रावकाचार चरणानुयोग का ग्रन्थ है। प्रवचनसार द्रव्यानुयोग का ग्रन्थ है और मोक्षमार्ग प्रकाशक चारों ही अनुयोगों का ग्रन्थ है।

14. आचार्य के 6 अंतरंग और 6 बहिरंग तप होते हैं। 6वे तीर्थंकर पद्मप्रभ भगवान है। 6 महिने 8 समय में 608 नियम से मोक्ष जाते है।

15. आदिनाथ कैलाशपर्वत से, वासुपूज्य चम्पापुरी से, नेमिनाथ गिरनार से, महावीर पावापुर से तथा शेष 20 तीर्थंकर सम्मेद शिखर से मोक्ष गए।

16.

DATE MONTH YEAR

Mo Tu We Th Fr Sa Su

Notes

वे कौन थे ....

1. जिनके उपर जलती सिगड़ी रखी गई - गजकुमार
2. जिन्हे जलते हुए गहने पहनाएँ गए - पाण्डव
3. जिन्होंने मरणासन्न कुत्ते को णमोकार मंत्र सुनाया - जीवन्धर स्वामी
4. जिन्होंने आप्तपरीक्षा ग्रन्थ लिखा - विद्यानन्दि आचार्य
5. जिन्हें हाथी पर बैठे-बैठे वैराग्य हुआ - राजा मधु
6. जो णमोकार मंत्र के अपमान से नरक गए - सुभौम चक्र
7. यशोधर मुनि के गले में मृत सर्प डाला - श्रेणिक राजा
8. जिन्हें भस्मक व्याधि हुई - समन्तभद्र
9. नाटक समयसार की रचना की - बनारसीदास जी
10. संवर देव ने इन पर उपसर्ग किया था - मुनि पार्श्वनाथ
11. जिनका उपसर्ग राम-लक्ष्मण ने दूर किया था - देशभूषण - कुलभूषण मुनिराज
12. इस युग में प्रथम मोक्ष गए - अनन्तवीर्य
13. जो दीक्षा के अंतर्मुहूर्त बाद केवलज्ञानी हो गए - भरत
14. जिन पर सीतेन्द्र ने उपसर्ग किया - मुनि राम
15. जिन्हें 48 तालों में बंद रखा गया - मानतुंग आचार्य
16. जो मुनि विदेह क्षेत्र गए थे - कुन्दकुन्द आचार्य
17. जिन्हें तीन दिन तक स्यालनी खाती रही - सुकुमाल
18. जिनका बाघिन ने भक्षण किया - सुकौशल

Scanned with CamScanner

TITLE Notes
DATE MONTH YEAR
Mo Tu We Th Fr Sa Su

19. जिन्हें वन में नगर बसाकर आहार दिया - चन्द्रगुप्त
20. जिनके निमित्त से द्वारिका नगरी जली - द्वीपायन मुनि
21. जिन्होंने निमित्तज्ञान से बारहवर्षीय अकाल की घोषणा की - आचार्य भद्रबाहु
22. प्रथम सूत्रात्मक जैन ग्रन्थ लिखा - उमास्वामी
23. प्रथम जैन ग्रन्थ लिखा - भूतबली - पुष्पदन्त आचार्य
24. जिनके पांचो कल्याणक एक स्थान पर हुए - वासुपूज्य
25. जिनकी रक्षा सुअर ने की -
26. जिनसे सम्राट चंद्रगुप्त ने 16 स्वप्नों का फल पूछा - आचार्य भद्रबाहु
27. जिनके पैर की धूल से पर्वत सोने का हो गया था - शुभचन्द्राचार्य
28. जिनसे दशरथ ने दीक्षा ली -
29. सर्वप्रथम 'जय जिनेन्द्र' उच्चारण करने वाले - भद्रबाहु
30. पैर के अंगुठे से कैलाश पर्वत दबाने वाले - बालि मुनि
31. सबसे कम समय में केवली हुए तीर्थंकर - मल्लिनाथ
32. अन्तिम अनुबद्ध केवली - जम्बुस्वामी
33. जो पुरोहित पुत्र भद्रबाहु को भावी श्रुतकेवली जानकर अपने साथ ले गए - ~~जम्बुस्वामी~~ गोवर्द्धनाचार्य
34. अन्तिम श्रुतकेवली - जम्बुस्वामी
35. आजीवन जिन्होंने कपड़े नही पहने - जिनसेन
36. कड़वी तूमड़ी का विषमय आहार दिया गया -

Scanned with CamScanner

DATE MONTH YEAR

Mo Tu We Th Fr Sa Su

TITLE

Notes

37. इनके काल में श्वेताम्बर मत प्रारंभ हुआ - भद्रबाहु
38. जिनसे क्रूर भील ने अहिंसा व्रत लिया -
39. रोग निवारण हेतु मुनिपद छोड़ा - समन्तभद्र
40. जिन्होंने लवकुश को दीक्षा दी -
41. 100 अजैनों को जैन बनाकर आहार का जिन्होंने नियम लिया -
42. जिनसे रावण ने परस्त्रीत्याग व्रत लिया - अनंतवीर्य
43. दो बकरों को बलि से बचाकर अपना सर कटवाया -

44. राजा के कहने पर मुनिपद लिया - ब्रह्मगुलाल
45. चन्द्रगुप्त को जैनधर्म में दिक्षित किया - भद्रबाहु
46. 500 पुत्रों के साथ दीक्षा ली -
47. कुन्दकुन्द को दीक्षा देने वाले - जिनचन्द्र आचार्य
48. जिनसे चाणक्य ने दीक्षा ली -
49. 'अ' शब्द का 6 माह तक अर्थ किया -
50. जिन्हें सीकन्दर यूनान ले गया - कल्याण मुनि
51. वेश्या के कोठे पर तीन दिन का उपवास -
52. सर्प के मुँह में मेंढक देखकर वैराग्य - पूज्यपाद
53. एक ही आसन पर खड़े-खड़े चार माह का उपवास - गणधर मुनि
54. अर्द्धरात्री में 12 भावनाओं का पाठ सुनकर वैराग्य आया, पत्नियों की साड़ियों की रस्सी बनाकर महल से उतरकर

Scanned with CamScanner

Notes

मुनि बन गए - सुकुमाल
55. अपने घर में चोरी करते हुए चोर की सहायता की - पं. बनारसीदास जी
56. जिन्हें हाथी के पैर के नीचे कुचला गया - टोडरमलजी
57. श्रवणबेलगोला में बाहुबली की मूर्ति बनवाई - चामुण्डराय
58. 363 पाखण्ड मत चलाए - मारीच
59. विवाह के अगले दिन दीक्षा ली - जम्बुस्वामी
60. धर्मप्रभावना हेतु अपनी जान दे कर भाई को बचाया - निकलंक
61. अपनी बहन पर मोहित हुए - देशभूषण - कुलभूषण
62. जिनके गिरने पर शिला चूर-चूर हो गई - हनुमान
63. जिनकी श्वास से शिला हिलती है - प्रद्युम्न कुमार
64. जिन्हें लंका में केवलज्ञान प्राप्त हुआ - अनंतवीर्य
65. अपने 60 हजार पुत्रों की मृत्यु का समाचार सुनकर अजितनाथ मुनि से दीक्षा ली - सगर चक्रवर्ती
66. जिनके पिता व पुत्र कामदेव थे - कृष्ण
67. प्रतिदिन 100 अजैनों को जैन बनाने का नियम लिया - जिनसेन
68.

Scanned with CamScanner

TITLE DATE MONTH YEAR
Mo Tu We Th Fr Sa Su

Notes

रिश्ते - नाते पहचानो, उत्तर को जानो

1. राम के पिता कौन थे? उत्तरा की जेठानी के पुत्रों के मामा के पिता का नाम क्या था - राजा जनक

2. द्रौपदी के पुत्रों के नाना के दामाद के सबसे छोटे व बड़े भाई का नाम बताइए - युधिष्ठिर, सहदेव

3. जो अपनी बहन पर मोहित हुए और सत्य ज्ञात होने पर दीक्षा ली, उन पर जब उपसर्ग हुआ उसको दूर करने वालों का वर्तमान भव क्या है - राम - मोक्ष, लक्ष्मण - नरक, सीता - स्वर्ग

4. नारायण लक्ष्मण ने जिस प्रतिनारायण को मारा, उसका जगत् प्रसिद्ध नाम जिस पर्वत के नीचे दबने से पड़ा, उसको दबाने वाले कौन थे? - बालि मुनि

5. जिनने स्वप्न में दो बैल देखे, उनके शिष्यों द्वारा रचित ग्रन्थ के मंगलाचरण स्वरूप लिखे मन्त्र में किसको नमस्कार किया है - पंच परमेष्ठि

6. सम्यक्त्व के वात्सल्य अंग में प्रसिद्ध मुनि ने

Scanned with CamScanner

DATE MONTH YEAR Mo Tu We Th Fr Sa Su TITLE

Notes

उपसर्ग दूर किया, उपसर्ग का निमित्त जिन मुनि का वाद-विवाद था उनके गुरु का नाम - अकम्पनाचार्य

7. एक तीर्थंकर का जो नाम है, उस नाम के व्यक्ति ने जिन तीर्थंकर मुनि को आहार दिया, उसका उन मुनि के साथ पूर्वभव में क्या नाता था - श्रेयांस + ऋषभदेव; पत्नि + पति

8.

DATE MONTH YEAR

Mo Tu We Th Fr Sa Su

TITLE

Notes

1. किस पूजन में नौ द्रव्य चढ़ाए जाते हैं- जिनवाणी
2. सौधर्मेन्द्र के मुकुट पर चिन्ह - स्वास्तिक
3. 'अन्धों के अन्धे होते हैं' इस कथन पर घटित घटना - महाभारत
4.

Scanned with CamScanner

श्लोकों को जानें ... (भगवान, चिन्ह, मुनि)

1. आशु करण से दिल्ली जाने को कह रहा है।

2. वीर ही रण में अपना बलिदान देते हैं।

3. भद्रबाहु बलि मुनि के संघ के आचार्य थे।

4. आप सभी की मदद से ही शिविर का आयोजन हुआ है।

5. जगमग रात्रि में तारें चमक रहे हैं।

6. हे भव्य! तुम अनंत वीर्य के धनी हो।

7. श्री जिन चन्द सम उज्ज्वल मुख वाले हैं।

Scanned with CamScanner

DATE MONTH YEAR - Mo Tu We Th Fr Sa Su TITLE

Notes

8. राधा तू पानी भर, तरुण आ रहा है।

9. किसकी सेना में राजधर सेनापति था।

10. वो मरा मरा कहते-कहते बच गया।

DATE MONTH YEAR Mo Tu We Th Fr Sa Su TITLE

Notes

तीर्थक्षेत्रों की वंदना

1. हाथी का पर्यायवाची - गज - गजपंथा
2. महाभारत के समय के एक गुरु - द्रोण - द्रोणगिरी
3. एक धातु का नाम - सोना - सोनागिर
4. चन्द्रमा का अन्य नाम - चन्द्र
5. 100 - 48 - 52 - बावनगजा
6. एक परमेष्ठि - सिद्ध - सिद्धाचल
7. आधे का आधा - पाव - पावापुर
8. भोजन का पर्यायवाची - आहार - आहार जी
9. एक उदुम्बर फल - बड़ - बड़वानी
10. द्रव्य में अनन्त होते हैं - गुण - गुणावा
11. एक राशि - कुम्भ - कुम्भोज बाहुबली
12. एक प्रकार के जीव - मुक्त - मुक्तागिरी
13. ज्योतिष देवों का इन्द्र - चन्द्र - चन्द्रागिरी
14. 13×4 = 52

Scanned with CamScanner

Notes

ज्ञान पहेली

1. भक्तों का वह अमरदीप है, सार प्रवचनों का अनमोल।
करे प्रकाशक मोक्षमार्ग को, इष्ट उपदेश का क्या है तौल॥
भक्तामर, प्रवचनसार, मोक्षमार्ग प्र., इष्टोपदेश

2. एक अक्षर का मेरा नाम, सम्पूर्ण जिनागम का मैं सार।
पंच प्रभु का मैं हुं धाम, बोलो क्या है मेरा नाम॥
ॐ

3. पांच अक्षर का मेरा नाम, शुद्धात्म का मुझमे धाम।
कुन्दकुन्द का मुझमे नाम, बोलो क्या है मेरा नाम॥
समयसार

4. तीन अक्षर का मेरा नाम, आता हुं रखने के काम।

Scanned with CamScanner

DATE MONTH YEAR Mo Tu We Th Fr Sa Su TITLE

Notes

मुझसे बड़ा न जग में कोई, नाम बताओ मेरा कोई ॥
आकाश

5. चार अक्षर का मेरा नाम, चारो गति में मेरा धाम।
उल्टी श्रद्धा मेरा काम, सारा जग मुझसे परेशान ॥
मिथ्यात्व

6. पांच अक्षर का मेरा नाम, जानु जग के सब पदार्थ।
मैं रहता हुँ अपने अंदर, फिर भी दुनियाँ मेरे अंदर ॥
केवलज्ञान

7. एक पुरुष जिनवर ने देखा, पाँव पसारे खड़ा हुआ।
हाथ कमर पर रखे हुए, काल अनंत से खड़ा हुआ ॥
लोक

8. आठ अक्षर का मेरा नाम, नौ खण्ड़ो का मुझमे धाम।
मैं स्वयं में अपूर्ण हूँ, पर कहलाता पूर्ण हुँ ॥
मोक्षमार्ग प्रकाशक

9. चार अक्षर का मेरा नाम, मुझको क्या दुनियाँ से काम।
ज्ञान ध्यान ही बस व्यापार, मुक्ति पाने को तैयार।
दिखने में लगता कंगाल, फिर भी हुँ मैं मालामाल ॥
मुनिराज

Scanned with CamScanner

TITLE

Mo Tu We Th Fr Sa Su

DATE MONTH YEAR

Notes

10. मैं हूँ सब पापों का बाप, नाम बताएँ मेरा आप।
सारा जग मेरे आधीन, सब कुछ है फिर भी मैं दीन॥
लोभ

11. सब पापी मेरे घर आते, सात घरों में दुःख पाते।
तिल-तिल करे देह के खण्ड, भूख प्यास भी लगे प्रचण्ड॥
नरक

12. प्राण नहीं है असान नहीं है, सुख या दुःख की खान नहीं है।
पांच भाई है मेरे जग में, जीव शब्द भी रहता मुझमे॥
अजीव

13. जो जीवों को दुःख देता है, वह मुझको धारण करता है।
मैं ले जाती नरको बीच, मुझमे है पापों का बीज॥
हिंसा

14. मैं सबको कसकर दुःख देती, सबकी सुखशान्ति हर लेती।
मैं हुं आकुलता की माता, मेरा नाम किसे है आता॥
कषाय

15. दो अक्षर का मेरा नाम, रहता हुँ मैं सुख के धाम।
काम-धाम से हुं बेकार, नाम बताएँ मेरा आप॥
सिद्ध

DATE MONTH YEAR Mo Tu We Th Fr Sa Su TITLE

Notes

16. तीन अक्षर का मेरा नाम, संसार बढ़ाना मेरा काम।
कर्मों का मैं द्वार बनाता, बोलो भाई मेरा नाम॥ आस्रव

17. चार अक्षर का मेरा नाम, चार छोड़कर आया हूँ।
चार साथ में लाया हूँ, फिर भी पूज्य कहलाया हूँ॥
अरहंत

18. छियासठ दिन तक मौन रहे, प्रभु अवसर का इंतजार किया।
इन्द्रभूति गणधर आया तो, जीवों का उद्धार किया॥
महावीर स्वामी

19. दो अक्षर का मेरा नाम, सारे जग के आता काम।
मुख्य गौण करके मैं जानु, श्रुतज्ञान में मेरा धाम॥
नय

20. सीमंधर के पास गए जो, उत्तम अनुभव शास्त्र रचे जो।
पंचम युग के देव कहाए, उनका नाम आप बताए॥
कुन्दकुन्द आचार्य

21. ऐसा शाश्वत पर्व बताओ, वर्ष में तीन बार आता।
उत्तम सहित चारित्र जगाता, श्रावक मुनि के मन भाता॥
दशलक्षण

Notes

22. मोक्षमहल की प्रथम सिढि, कहते जिसे धर्मों का मूल।
बिन इसके तो देव दुःखी हैं, इसके सहित नरक अनुकूल॥
सम्यग्दर्शन

23. मोक्षपुरी एक ने पाई, एक हुआ परिपूर्ण ज्ञानी।
उस दिन का तुम नाम बताओ, नही रहोगे तुम अज्ञानी॥
दीपावली

24. ऐसे शाश्वत पर्व बताओ, महिने मे दो-दो आते।
संयम भाव जगाते, श्रावक के मन भाते॥
अष्टमी, चतुर्दशी

25. मेरा मस्तक सबसे ऊंचा, बोलो क्या है मेरा नाम।
मैं रावण को नरक ले गया, सब लोगो में मेरा धाम॥
मान

26. चार अक्षर का मेरा नाम, छह खण्डों में मेरा धाम।
पूर्वार्ध मे छह रह जाता, मुझको गाते दौलतराम॥
छहढाला

27. छह अक्षर का मेरा नाम, समवशरण में मेरा काम।
सबको मुक्तिमार्ग बताना, कितना सुन्दर मेरा काम॥
दिव्य ध्वनि

Scanned with CamScanner

DATE MONTH YEAR Mo Tu We Th Fr Sa Su TITLE

Notes

28\. दो अक्षर का मेरा नाम, आता हूं मुक्ति के काम।
प्रथम कटे तो रम बन जाऊं, अंत कटे तो धर जाऊं॥
धर्म

29\. तीन अक्षर का मेरा नाम, अंत कटे तो मैं ही सब हूं।
मुझमें लोकालोक झलकते, मैं हूं अनंत सुखों का धाम॥
सर्वज्ञ

30\. दो अक्षर का मेरा नाम, पांच भाईयों का हूं मैं धाम।
मुझको जो अपनाता है, वह नरकों में जाता है॥
पाप

31\. चार अक्षर का मेरा नाम, चेतन से मुझको क्या काम।
फिर भी साथ सदा रहता हूं, सारे जग में मेरा धाम॥
पुद्गल

32\. दो अक्षर का मेरा नाम, बिना कमाए ही आराम।
नाम अमर है दूजा मेरा, अमृत पीने का है काम॥
देव

33\. सब लोगों का माल हड़पना, सबको मैं पहुंचाती जेल।
सबकी बदनामी करवाती, बतलाओ ये कैसा खेल॥
चोरी

Scanned with CamScanner

TITLE Mo Tu We Th Fr Sa Su DATE MONTH YEAR

Notes

34. मुझे चाहीए रुपया पैसा, बोलो मेरा रूप है कैसा।
तृष्णा देवी मेरी माता, तीन लोक की संपति खाता॥
परिग्रह

35. जिसके सर पे मैं हूं जाता, उसकी होंठ भुजा फड़फड़ाता।
जो मुझमे अंधा हो जाता, छोटा बड़ा उसे न सुहाता॥
क्रोध

36. तीन अक्षर का मेरा नाम, पूरे लोक में मेरा धाम।
सारी दुनियाँ चलकर रुकती, दुनियाँ कहती मेरा काम॥
अधर्म द्रव्य

37. सब साधक संतो का प्यारा, मैं अविनाशी सुख का धाम।
रत्नत्रय के तरु पर फलता, बोलो क्या है मेरा नाम॥
मोक्ष

38. वही गुरु है वही शिष्य है, वही उपास्य वही उपासक।
स्वयं ध्येय है स्वयं ही ज्ञाता, बूझो मेरा नाम ओ ज्ञाता॥
आत्मा

39. नौ नाली जिस नगर में, सदा रहे बरसात।
गली-गली में रोग हैं, सड़ा करे दिन-रात॥
शरीर

DATE MONTH YEAR Mo Tu We Th Fr Sa Su TITLE

Notes

40. स्वर्गों के राजा कहलाएँ, तीर्थंकर को न्हवन कराएँ।
चिन्ह देखते सबसे पहले, हम सब उनका नाम बताएँ।।
सौधर्म इन्द्र

41.

DATE MONTH YEAR Mo Tu We Th Fr Sa Su TITLE

Notes

प्रश्नावली

1. आदिनाथ का जन्म कहाँ हुआ था - अयोध्या
2. उनकी माता का नाम क्या था - मरुदेवी
3. उनके पिता का नाम क्या था - नाभिराय
4. कितने कर्मों का उपदेश दिया - षट्कर्मों
5. प्रथम आहार किसका हुआ - इक्षु रस
6. प्रथम आहार से कौनसा पर्व प्रारंभ - अक्षय तृतीया

1. पुद्गल के विशेष गुण - 4
2. पुद्गल के प्रदेश कितने - संख्यात, असंख्यात, अनंत
3. पुद्गल के कितने भेद - दो
4. सबसे छोटा पुद्गल - परमाणु
5. छः द्रव्यों में से एक मूर्तिक द्रव्य - पुद्गल
6. जीव के समान क्रियाशील द्रव्य - पुद्गल

1. तीर्थंकर कितने हैं - 24
2. बालब्रह्मचारी कितने हैं - 5
3. उपसर्ग विजेता कितने हैं - 2

TITLE Mo Tu We Th Fr Sa Su YEAR

Notes

4. एकाधिक नाम वाले कितने हैं - 3
5. तीन पद के धारी कितने हैं - 3
6. शिखर जी से कितने मोक्ष गए - 20

1. बुरे कार्य को कहते हैं - पाप
2. पापों से विरक्ति पर प्राप्त होते हैं - व्रत
3. पाप कितने हैं - पाँच
4. हिंसा के कितने भेद हैं - चार
5. पाप का फल क्या है - नरक
6. पाप का बाप कहा जाता है - लोभ

1. जीव के स्वतत्त्वरूप भाव कितने हैं - 5
2. औपशमिक भाव के भेद - 2
3. औदयिक भाव के भेद - 21
4. संयमासंयम किस भाव का भेद है - क्षायोपशमिक
5. क्षायिक भाव के भेद - 9
6. तीन भेद कौन से भाव के हैं - पारिणामिक

1. गतियाँ कितनी हैं - चार
2. नरक कितने हैं - सात

DATE MONTH YEAR Mo Tu We Th Fr Sa Su TITLE

Notes

3. देवों के निकाय कितने हैं - चार
4. मनुष्यों के भेद कितने हैं - दो
5. गति किस कर्म का भेद है - नाम
6. तिर्यञ्च कहाँ पाए जाते हैं - सम्पूर्ण लोक

1. गुणों के समूह को कहते हैं - द्रव्य
2. द्रव्य कितने हैं - 6
3. रूपी द्रव्य कितने हैं - एक
4. अमूर्तिक द्रव्य कितने हैं - पाँच
5. एक मात्र चेतन द्रव्य का नाम है - जीव
6. एक प्रदेशी द्रव्य है - काल

1. कर्मों के कितने भेद हैं - 3
2. ज्ञानावरणादि कौनसे कर्म हैं - द्रव्यकर्म
3. द्रव्यकर्म के मूलभेद कितने हैं - आठ
4. शरीर व पर्याप्ति कौनसे कर्म हैं - नोकर्म
5. भावकर्म में क्या आते हैं - मोह - राग - द्वेष
6. द्रव्यकर्म के सम्पूर्ण भेद कितने हैं - 148

1. मद कितने हैं - आठ

Scanned with CamScanner

TITLE

Mo Tu We Th Fr Sa Su DATE MONTH YEAR

Notes

2. अहंकार को कहते हैं - मद
3. मद किसको दूषित करता है - सम्यग्दर्शन
4. मद को यह भी कहते हैं - मान, घमंड
5. ज्ञानमद किसे होता है - अज्ञानी
6. सुंदरता पर अभिमान कौनसा मद है - रूपमद

1. सच्चे देव के तीन गुण कौनसे - वीतरागी सर्वज्ञ हितोपदेशी
2. पंच परमेष्ठि में देव कितने - दो
3. राग-द्वेष रहितपना कहलाता है - वीतराग
4. लोकालोक को जानना है - सर्वज्ञता
5. सच्चे देव का अन्य नाम - आप्त
6. आप्त कितने दोष रहित होते हैं - 18

1. चित्त की एकाग्रता कहलाती है - ध्यान
2. ध्यान के भेद हैं - चार
3. ध्यान का उत्कृष्ट काल है - अंतर्मुहुर्त
4. धर्मध्यान के कितने भेद हैं - चार
5. पापों में आनंद मानना है - रौद्रध्यान
6. मोक्ष में कारणभूत ध्यान हैं - धर्म, शुक्ल ध्यान

Scanned with CamScanner

DATE MONTH YEAR Mo Tu We Th Fr Sa Su TITLE

Notes

1. समवशरण की सभाएँ - 12
2. समवशरण के रचनाकार - कुबेर
3. कितने मानस्तंभ होते हैं - चार
4. जिनेन्द्र का मुख कौनसी दिशा में - पूर्व, उत्तर
5. सिंहासन से जिनेन्द्र कितने ऊंचे - चार अंगुल
6. कितनी सीढ़ियाँ होती हैं - 20,000

1. सबसे पहला द्वीप - जम्बु द्वीप
2. लवण समुद्र के जल का स्वाद - नमक जैसा
3. पुष्करवरद्वीप को विभाजित करने वाला पर्वत - मानुषोत्तर
4. मनुष्य गमन कहाँ तक - पुष्करार्द्ध द्वीप, ढाई द्वीप
5. द्वितीय द्वीप का नाम - धातकी खण्ड
6. द्वितीय समुद्र का नाम - कालोदधि

1. जन्माभिषेक किस पर्वत पर - सुमेरु पर्वत
2. कितने कलशों द्वारा अभिषेक - 1008
3. कौनसे जल से अभिषेक - क्षीर सागर के जल
4. जन्म पर प्रसूतिगृह से बाहर लाने वाली - शाचि इन्द्राणि
5. इन्द्र के किस हाथी पर गमन - ऐरावत
6. किस शिला पर अभिषेक - पाण्डुक

Scanned with CamScanner

TITLE

Mo Tu We Th Fr Sa Su | DATE | MONTH | YEAR

Notes

1. इन्द्रियों के कुल विषय - 22
2. स्पर्शनेन्द्रिय के विषय - 8
3. रसनेन्द्रिय के विषय - 5
4. घ्राणेन्द्रिय के विषय - 2
5. चक्षु इन्द्रिय के विषय - 5
6. कर्णेन्द्रिय के विषय - 1

1. कौन से द्वीप में - जम्बु द्वीप
2. कौन से क्षेत्र में - विदेह क्षेत्र
3. उस पर कितने चैत्यालय - 16
4. कितना ऊंचा है - एक लाख चालीस योजन
5. सुमेरु पर्वत संबंधित वन - चार
6. पर्वत की चूलिका कितनी ऊंची हैं - चालीस योजन

1. माता कितने स्वप्न देखती है - 16
2. माता की सेवा करने वाली कुमारियां - 56
3. रत्नवर्षा कितने माह तक - 14
4. रत्नवर्षा कौन करता है - कुबेर
5. तीर्थंकर जन्म से कितने ज्ञानधारी - तीन
6. एक दिन में कितने रत्न बरसते हैं -

Scanned with CamScanner

1. श्रावकों के मूलगुण कितने - आठ
2. उदुम्बर फल कितने हैं - पांच
3. उदुम्बर फलों का अन्य नाम -
4. मकार कितने होते हैं - तीन
5. उदुम्बर फल में क्या रहते हैं - त्रस जीव
6. पंच उदुम्बर, तीन मकार क्या हैं - अभक्ष्य

1. सिद्ध के कितने कर्म नष्ट - 8
2. सिद्धालय में कबतक रहेंगे - अनन्त काल
3. सिद्धों का आकार - किंचित न्यून पुरुषाकार
4. सिद्धों के गुण कितने - 8
5. सिद्धों के कितने शरीर - एक भी नही
6. सिद्ध को कहते हैं - अशरीरि, मुक्त

1. काल के कितने भेद हैं - दो
2. एक कल्पकाल कितना लम्बा होता है - 20 कोड़ाकोड़ी सागर
3. सर्वाधिक दुःख कौनसे काल में - दुषमा - दुषमा
4. तीर्थंकर कौनसे काल में होते हैं - दुःखमा सुखमा
5. कालपरिवर्तन कहाँ - कहाँ होता हैं - भरत, ऐरावत क्षेत्र
6. अवसर्पिणी के कितने भेद हैं - छह

Notes

1. वक्ता के अभिप्राय को कहते हैं - नय
2. नय किसके अंश को विषय करता है - प्रमाण
3. नय के मूल भेद कितने हैं - दो
4. द्रव्यांश को ग्रहण करने वाला नय - द्रव्यार्थिक
5. पर्यायांश को ग्रहण करने वाला नय - पर्यायार्थिक
6. तत्त्वार्थसूत्र में नय के कितने भेद - सात

1. अरहन्त के कितने कर्म नष्ट - चार
2. जन्म के अतिशय कितने - 10
3. प्रातिहार्य कितने होते हैं - 8
4. मूलगुण कितने होते हैं - 46
5. कितने दोष रहित हैं - 18
6. मुख्य मूलगुण कितने हैं - 4

1. महावीर के कितने नाम - 5
2. पिता का नाम - सिद्धार्थ
3. माता का नाम - त्रिशाला
4. जन्म कब हुआ - चैत्र शुक्ल त्रयोदशी
5. निर्वाण पर मनाया जाने वाला त्यौहार - दिपावली
6. गणधर कितने थे - 11

Scanned with CamScanner

DATE MONTH YEAR Mo Tu We Th Fr Sa Su TITLE

Notes

1. परमेष्ठि कितने हैं - पाँच
2. संसारी कितने हैं - चार
3. केवलज्ञानयुक्त कितने हैं - दो
4. अशरीरी कितने हैं - चार
5. कितने देव, कितने गुरु - दो देव, तीन गुरु
6. अष्ट प्रातिहार्य युक्त कौनसे - अरहंत

1. इसमें किसको नमस्कार किया है - पंच परमेष्ठि
2. इसमें कितने अक्षर हैं - 35
3. कौनसे छन्द में लिखा गया है - आर्या / गाथा
4. कौनसे ग्रन्थ का मंगलाचरण है - षट्खण्डागम
5. इसमें कितनी मात्राएँ हैं - 58
6. पंच परमेष्ठि के आद्याक्षरों से बना शब्द - ॐ

1. चेतना रहित कौन - अजीव
2. अजीव द्रव्य कितने हैं - पाँच
3. धर्मद्रव्य का कार्य - गतिहेतुत्व
4. आकाश द्रव्य के भेद कितने हैं - दो
5. आकाश द्रव्य का कार्य - अवगाहन
6. काल द्रव्य का कार्य - परिणमन

Scanned with CamScanner

TITLE

DATE MONTH YEAR

Mo Tu We Th Fr Sa Su

Notes

1. गुणस्थान कितने है - 14
2. कौनसे गुणों की तारतम्यरूप अवस्था - श्रद्धा, चारित्र
3. क्षपकश्रेणी के गुणस्थान कितने - 4
4. मुनियों के गुणस्थान कौनसे - 6 से आगे
5. अरहंत कौनसे गुणस्थान में - 13-14
6. सम्यक्त्व कौनसे गुणस्थान से - 4 से

Scanned with CamScanner

DATE MONTH YEAR | Mo Tu We Th Fr Sa Su | TITLE | Notes

फोन नम्बर

55567 - मुनि के 28 मूलगुण
5 महाव्रत, 5 समिति, 5 इन्द्रिय विषय, 6 आवश्यक,
7 शेष गुण

10101448 - अरहंत के 46 मूलगुण
10 केवलज्ञानातिशय, 10 जन्मातिशय, 14 देवकृत अतिशय,
4 अनंत चतुष्टय, 8 प्रातिहार्य

2499912 - 63 शलाका पुरूष
24 तीर्थंकर, 9 नारायण, 9 प्रतिनारायण, 9 बलभद्र,
12 चक्रवर्ती

4331116 - औदयिक भाव के 21 भेद
4 गति, 4 कषाय, 3 लिंग, मिथ्यादर्शन, अज्ञान, असंयम,
असिद्धत्व, 6 लेश्या

4335111 - क्षायोपशमिक भाव के 18 भेद
4 ज्ञान, 3 दर्शन, 3 अज्ञान, 5 लब्धि, सम्यक्त्व,
चारित्र, संयमासंयम

1012536 · आचार्य के 36 मूलगुण

TITLE

Notes

Mo Tu We Th Fr Sa Su

DATE MONTH YEAR

10 धर्म, 12 तप, 5 आचार, 3 गुप्ति, 6 आवश्यक

५०४२२५२॥ - 100 इन्द्र

40 भवनवासी, ३२ व्यंतर, २५ स्वर्ग, २ ज्योतिष, १-१ नर-ति.

DATE MONTH YEAR Mo Tu We Th Fr Sa Su TITLE

Notes

ATM CODE

1410 - परिग्रह (अंतरंग - बहिरंग)

8552 - पुद्गल की 20 पर्याय / विषय
8 स्पर्श, 5 रस, 5 वर्ण, 2 गन्ध

4444 - कषाय चौकड़ी
4444 - ध्यान (आर्त, रौद्र, धर्म, शुक्ल)

1114 - उपाध्याय के 25 मूलगुण
11 अंग, 14 पूर्व

8863 - सम्यक्त्व के 25 दोष नहीं होते
8 शंकादि दोष, 8 मद, 6 अनायतन, 3 मूढ़ता

53558 - णमोकार मंत्र
16995 - ऊर्ध्वलोक
16 स्वर्ग, 9 अनुदिश, 9 ग्रैवेयक, 5 अनुत्तर

Scanned with CamScanner

DATE MONTH YEAR

Mo Tu We Th Fr Sa Su

TITLE

Notes

एक

1. आत्मा
2. मुनि ऋषभदेव ने आहार लिया इतने काल बाद
3. दिगम्बर मुनि दिन में इतनी बार आहार लेते हैं
4. अधर्म द्रव्य
5. धर्म द्रव्य
6. सुमेरु पर्वत
7. चेतन द्रव्य
8. अनास्तिकाय द्रव्य
9. रूपी द्रव्य / मूर्तिक द्रव्य
10. लोक के बाहर भी व्याप्त द्रव्य
11. जम्बुद्वीप में मेरु
12. अविग्रह गति का काल

Scanned with CamScanner

दो

1. जीव के भेद
2. संसारी जीव के भेद
3. वनस्पति के भेद
4. निगोद के भेद
5. औपशमिक भाव के भेद
6. गंध के भेद
7. नय
8. मोह
9. गोत्र
10. काल
11. राजा ऋषभदेव की पुत्रियाँ
12. आकाश
13. विहायोगति
14. प्रत्येक वनस्पति
15. कर्म
16. मिथ्यात्व
17. जम्बुद्वीप में कालपरिवर्तन के क्षेत्र
18. क्रियाशील द्रव्य
19. धातकीखण्ड द्वीप में मेरु
20. वैमानिक देव
21. मनुष्य के दो भेद

Scanned with CamScanner

तीन

1. रत्न
2. भाव
3. पारिणामिक भाव
4. वेद
5. गुप्ति
6. जन्म
7. कर्म
8. गुणव्रत
9. अज्ञान
10. एकाधिक नामधारी तीर्थंकर
11. अनेकपद धारी तीर्थंकर
12. मिथ्यात्व
13. मूढ़ता
14. लोक
15. सम्यक्त्व
16. अविग्रह गति का समय / काल
17. प्रकार
18. शल्य
19. योग

Scanned with CamScanner

DATE MONTH YEAR Mo Tu We Th Fr Sa Su TITLE

Notes

चार

1. कषाय
2. कषाय चौकड़ी
3. ध्यान
4. आर्त ध्यान के भेद
5. रौद्र ध्यान
6. धर्म ध्यान
7. शुक्ल ध्यान
8. देवों के निकाय
9. गति
10. अनंत चतुष्टय
11. शिक्षाव्रत
12. विकथा
13. विनय
14. क्षपकश्रेणि के गुणस्थान
15. उपशम श्रेणि के गुणस्थान
16. व्यवहार नय के भेद
17. निश्चयनय
18. आयु
19. आनुपूर्व्य
20. निष्क्रिय द्रव्य
21. घाति कर्म
22. त्रस
23. दान
24. सुमेरु पर्वत के वन
25. अघाति कर्म
26. हिंसा

वांच

1. पाप
2. परमेष्ठि
3. महाव्रत
4. अणुव्रत
5. समिति
6. इन्द्रिय
7. इन्द्रिय विजय
8. आचार
9. शरीर
10. असाधारण भाव
11. स्वाध्याय के भेद
12. परमागम
13. मेरुपर्वत
14. अचेतन द्रव्य
15. अरूपी द्रव्य
16. ज्ञान
17. बालयति
18. रस
19. वर्ण
20. कल्याणक
21. ज्ञानावरण के भेद

DATE MONTH YEAR Mo Tu We Th Fr Sa TITLE

22. अंतराय कर्म
23. जाति
24. पूजा के अंग
25. अनुत्तर
26. परावर्तन
27. अस्तिकाय
28. कौनसे स्वर्ग के देव लोकान्तिक कहलाते हैं
29. दीक्षासमय सम्बोधन करने वाले देव
30. ज्ञानावरण
31. उदुम्बर फल
32. निद्रा
33. मरण
34. लब्धि

Scanned with CamScanner

छह

1. द्रव्य
2. आवश्यक
3. लेश्या
4. अन्तरंग तप
5. बहिरंग तप
6. काय
7. कुलाचल पर्वत
8. षड्खण्ड
9. काल
10. अनायतन
11. पर्याप्ति
12. आयतन
13. संस्थान
14. संहनन
15. सरोवर
16. सामान्य गुण
17. कारक

DATE MONTH YEAR

Mo Tu We Th Fr Sa Su

TITLE

Notes

स्यात

1. तत्त्व
2. मुनि के शेष गुण
3. नरक
4. क्षेत्र
5. नय (तत्त्वार्थ सूत्र)
6. महावीर की ऊंचाई
7. सप्तर्षि
8. व्यसन

आठ

1. कर्म
2. सिद्ध के मूलगुण
3. पृथ्वीयाँ
4. प्रातिहार्य
5. स्पर्श
6. पूजन के द्रव्य
7. मद
8. निशंकादि अंग।
9. शंकादि दोष
10. अष्टपाहुड़
11. श्रावक के मूलगुण
12. अष्ट मंगल द्रव्य

Scanned with CamScanner

नौ

1. निधि
2. पदार्थ
3. नवधा भक्ति
4. लब्धि
5. क्षायिक भाव के भेद
6. नोकषाय
7. अनुदिश
8. ग्रैवेयक
9. नारायण
10. प्रतिनारायण
11. दर्शनावरण
12. योनि
13. नवदेवता

Scanned with CamScanner

दस

1. दशलक्षण
2. कल्पवृक्ष
3. जन्मातिशय
4. केवलज्ञानातिशय
5. भवनवासि
6. प्राण
7.

Scanned with CamScanner

DATE MONTH YEAR Mo Tu We Th Fr Sa Su TITLE

Notes

अंग्रेजी को हिन्दी में बोलो, सही उत्तर टटोलो ....

1. A एक समिति का नाम - एषणा
2. A जम्बुद्वीप में कितने मेरु पर्वत हैं - एक
3. B विद्यमान तीर्थंकर कितने - बीस
4. C विदेह क्षेत्र के एक तीर्थंकर - सीमन्धर
5. E मुनियों के गमन संबंधी समिति - ईर्या
6. G कुत्ते को णमोकार मंत्र सुनाया - जीवन्धर
7. I आचार्यों को णमोकार मंत्र में कहा - आइरियाणं
8. J जिनेन्द्र की आज्ञा मानने वाला - जैन
9. K ज्ञान का एक भेद - केवलज्ञान
10. L ये मध्यम पात्र कहलाते हैं - एलक
11. O एक प्रकार का शरीर - औदारिक
12. P एक उदुम्बर फल - पीपल
13. R भगवान के गुणानुवाद का अन्य नाम - आरती
14. T मुख्य ग्रन्थ के आधार पर की गई रचना - टिका
15. U यह पीढ़ी धर्म से विमुख हो रही है - युवा
16. V 700 मुनियों की रक्षा करने वाले - विष्णुकुमार

Scanned with CamScanner

1. अरहंत - चार घातिया कर्मों के नाश
2. सिद्ध - पूर्ण निर्मल पर्याय
3. आचार्य - मुनि संघ के नायक
4. उपाध्याय - मुनि संघ के अध्यापक
5. साधु - 28 मूलगुण के धारक
6. उत्तम - लोक में सबसे महान्
7. मंगल - राग-द्वेष गलाकर सुख देने वाला
8. शरण - सहारा
9. विश्व - छः द्रव्यों का समूह
10. द्रव्य - गुणों का पिण्ड
11. गुण - सहभावी पर्याय
12. पर्याय - गुणों का परिणमन
13. रक्षाबंधन - 700 मुनियों का उपसर्ग निवारण
14. दीपावली - भगवान महावीर का निर्वाण दिवस
15. अक्षय तृतीया - मुनि ऋषभदेव का प्रथम आहार
16. टोडरमल जी - मोक्षमार्ग प्रकाशक के रचयिता
17. कुन्दकुन्दाचार्य - पंच परमागम के कर्त्ता
18. वितरागी - 18 दोषों से रहित
19. भ. महावीर - वर्तमान शासन नायक
20. निःस्पृह - सर्व सांसारिक कार्यों का निषेध
21. 148 - 8 कर्मों की कुल प्रकृतियाँ
22. तीर्थंकर - धर्म तीर्थ के उपदेशक

Scanned with CamScanner

23. 170. अजितनाथ तीर्थंकर के काल में हुए।
24. गजपंथा - 7 बलभद्र, 8 करोड़ मुनियों की निर्वाणभूमि
25. मांगीतुंगी - 99 करोड़ मुनियों की निर्वाणस्थली
26. हस्तिनापुर - 3 कामदेव तीर्थंकरों की जन्मस्थली
27. दिगम्बर - दिशा ही है वस्त्र जिनका
28. मानुषोत्तर पर्वत - मनुष्यलोक की सीमा
29. चक्रवर्ती - षट्खण्डों के अधिपति
30. ओम् - पंच परमेष्ठियों का सूचक
31. उत्पाद - द्रव्य की नवीन पर्याय की उत्पत्ति
32. व्यय - द्रव्य की ~~नवीन~~ पर्याय का नाश
33. ध्रौव्य - द्रव्य की नित्यता।
34. अभक्ष्य - न खाने योग्य पदार्थ
35. भव्य - जिसमें मोक्ष जाने की योग्यता हो
36. अयोध्या - तीर्थंकरों की जन्मभूमि शाश्वत
37. अर्धकथानक - हिन्दी की प्रथम आत्मकथा
38. नय - जो वस्तु के एकांश को ग्रहण करे।
39. पूजा - जिनेन्द्र भगवान का गुणानुवाद
40. मकार - मद्य, मांस, मधु का त्याग
41. श्रावक - श्रद्धावान, विवेकवान, क्रियावान
42. आवश्यक - अवश्य करने योग्य कार्य
43. जिनवाणी - जिनेन्द्र भगवान की वाणी
44. स्याद्वाद - अनेकांत की कथनपद्धति
45. अनेकांत - अनंतधर्मात्मक वस्तु
46. जैन - जिनेन्द्र की आज्ञा मानने वाला।

Scanned with CamScanner

TITLE

Mo Tu We Th Fr Sa Su

DATE / MONTH / YEAR

Notes

47. समयसार - अध्यात्म शास्त्रों की परमेश्वरी
48. भद्रबाहु - 12 वर्षीय अकाल की घोषणा करने वाले
49. अहिंसा - परम धर्म
50. समवाय - कार्य के नियामक कारण

Scanned with CamScanner

सीमंधर स्वामी प्रश्नोत्तर

माता - सत्यदेवी
पिता - श्रेयांस
जन्म स्थान - पूर्व विदेह, पुष्कलावती देश, पुण्डरिकीणी राजधानी
वैराग्य का कारण - बादल का विलीन होना
काया - 500 धनुष, स्वर्णसम
आयु - एक कोटि पूर्व
कुन्दकुन्द मुनि - आठ दिवस समवशरण में रहे, छोटी आकृति से एलाचार्य नाम, 84 पाहुड़ रचे वाणी पर
विदेही - 1. विदेह क्षेत्र के निवासी
2. देह में रह के भी देहातीत
सीमन्धर शब्द के 2 अर्थ -
1. अपनी सीमा में रहते हैं।
2. अपने ज्ञान को अपने में सीमित कर लिया।

Scanned with CamScanner

TITLE

DATE MONTH YEAR

Mo Tu We Th Fr Sa Su

Notes

वैराग्य में निमित्त

1. हनुमान - तारा टूटने से
2. रामचन्द्र - लक्ष्मण की मृत्यु पर देवों के संबोधन से
3. भरत - त्रिलोकमंडन हाथी को देखकर
4. इन्द्रजीत, कुम्भकर्ण - रावण की मृत्यु से
5. सीता - अग्नि परीक्षा के बाद
6. मधु कैटभ - युद्ध के प्रसंग से
7. कैकयी - भरत के साथ धर्मोपदेश सुनकर
8. राजा मय - रावण की मृत्यु
9. सहस्त्र रश्मि - रावण से पराजित होने पर
10. कपिल ब्राह्मण - राम नगरी देखकर
11. पार्श्वनाथ - जाति स्मरण
12. चन्द्रप्रभ - उल्कापात
13. मल्लिनाथ - वटवृक्ष के विनाश से जाति स्मरण
14. श्रीपाल - अपने पूर्वभव सुनने पर
15. कीर्तिधर - राहु के द्वारा सूर्य ग्रस्त होने पर
16. प्रद्युम्न - द्वारिका दहन की सुनकर
17. वज्रबाहु - जंगल में मुनिराज दर्शन पर उदयसुंदर ने कहा- क्या आप ऐसा बनना चाहते है?
18. नेमिनाथ - पशुओं का क्रन्दन
19. राजुल - नेमिनाथ के वैराग्य से
20. ऋषभदेव - नीलांजना की मृत्यु से

Scanned with CamScanner

TITLE

DATE MONTH YEAR

Mo Tu We Th Fr Sa Su

Notes

दीक्षा प्रदाता मुनिराज

1. रामचन्द्र - सकलभूषण स्वामी
2. भरत - कुलभूषण - देशभूषण
3. दशरथ - सर्वभूतहित मुनिराज
4. सीता - पृथ्वीमती आर्यिका
5. लवकुश - अमृतेश्वर मुनिराज
6. सगर चक्रवर्ती - भगवान अजितनाथ
7.

Scanned with CamScanner

ग्रन्थ व ग्रन्थकर्ता

समयसार - आ. कुन्दकुन्द
पु. सि. उपाय - अमृतचन्द्र
आत्मानुशासन - गुणभद्र
ज्ञानार्णव - शुभचन्द्र
धवला - वीरसेन
पंचाध्यायी - राजमलजी
गोम्मटसार - नेमिचन्द्र सि. च.
द्रव्यसंग्रह - नेमिचन्द्र सि. देव
छहढाला - दौलतरामजी
मो. मा. प्रकाशक - टोडरमलजी

Full Form

अरहंत - अरि + हंत
श्रावक - श्रद्धावान विवेकवान् क्रियावान्
जैन - जिन की आज्ञा माने सो जैन
अणुव्रत - एकदेश त्याग
परमेष्ठि - परमपद में स्थित
धरम - जो धारण किया जाए / उत्तम सुख में धरे
कषाय - कसे अर्थात् दुःख दे
आदिनाथ - प्रथम तीर्थंकर
चक्रवर्ती - चक्र वाला / षट्खण्ड विजेता
उत्तम - श्रेष्ठ
शरण - सहारा
अकृत्रिम - स्वयं निर्मित / अनादि से / किसी ने बनाया नहीं

Scanned with CamScanner

TITLE

DATE MONTH YEAR

Mo Tu We Th Fr Sa Su

Notes

1. स्थापना, सान्निधीकरण आदि भेद है - पूजा
2. अरहंत, सिद्ध आदि है - परमेष्ठी
3. जिनेन्द्र भगवान का उपदेश - जिनवाणी
4. दिशाएँ ही जिनका वस्त्र है - दिगम्बर
5. पाप का सगा भाई - पुण्य
6. रागद्वेष से रहित - वितराग
7. दिव्यध्वनि श्रवण का स्थान - समवशरण
8. अशरीरी
9.

Scanned with CamScanner

DATE MONTH YEAR Mo Tu We Th Fr Sa Su TITLE

Notes

संख्या पर भजन

1. एक तुम्ही आधार जगत ---
2. एक बार आओ जी --
3. न्यारो मेरु समान --
4. ए ही सोलह भावना ---
5. पंचमेरु की आरती --
6. आठो दरब संवार –

Scanned with CamScanner

भगवान महावीर

- नाम - वीर, अतिवीर, सन्मति, वर्द्धमान, महावीर
- माता - त्रिशला (प्रियकारिणी)
- पिता - सिद्धार्थ
- वंश - नाथ / ज्ञातृवंश
- चिन्ह - सिंह
- जन्मस्थान - वैशाली / कुण्डग्राम (चैत्र सुदी तेरस)
- वर्ण - हेमवर्ण / स्वर्णाभ
- गृहस्थदशा - अविवाहित
- दीक्षा - 30 वर्ष की आयु में (मंगसिर कृष्ण दशमी)
- ऊंचाई - 7 हाथ
- केवलज्ञान - 42 वर्ष की आयु में (वैशाख शुक्ल दशमी)
- छद्मस्थ - 12 वर्ष
- देशनापूर्व मौन - 66 दिन (श्रावण कृष्ण प्रतिपदा)
- गणधर - 11
- प्रमुख गणधर - गौतम
- प्रथम देशना - विपुलाचल पर्वत, वीर शासन जयंती
- निर्वाण - कार्तिक कृष्ण अमावस्या, 72 वर्ष, पावापुर

DATE MONTH YEAR | Mo Tu We Th Fr Sa Su | TITLE

Notes

- जन्म स्थान - उमराला 21 अप्रैल 1889
- जन्म तिथि - वैशाख सुदी दोज, वि. स. 1946
- पिताजी - मोतीचन्द
- माताजी - उजम बा
- सम्प्रदाय - दशा श्रीमाली वणिक / स्थानकवासी
- भाई बहिन - पांच भाई बहिन 4 भाई, 1 बहिन
  तीसरी संतान गुरुदेव
- 13 वर्ष की आयु में माता की मृत्यु 1959 / 1902
- 17 वर्ष की आयु में पिता की मृत्यु 1963 / 1906
- बचपन में प्रेम से नाम 'पुई' पड़ा।
- प्रथम दीक्षा गुरु - श्री हीराचन्द जी महाराज, बोटाद सम्प्र.
- श्रमण दीक्षा - 23 वर्ष 7 माह
  मगसिर वदी 9, 1970 / 1913
- दीक्षा जुलूस में अपशकुन - वस्त्र का फटना।
- सत्रह बार भगवती सूत्र का अध्ययन किया।
  स्थानकवासी ग्रन्थ। एक लाख श्लोक प्रमाण।
- समयसार प्राप्त - दामनगर, सेठ दामोदर
  वि. स. 1978 / 1922
- प्रवचनसार - 1978 / 1922
- मोक्षमार्ग प्रकाशक - 1982 / 1926 राजकोट
  7 वाँ अध्याय लिपिबद्ध करवा लिया।
- मतपरिवर्तन - स्टार ऑफ इण्डिया, सोनगढ़,
  वि. स. 1991 / 1935 चैत्र सुदी तेरस

Scanned with CamScanner

TITLE

Mo Tu We Th Fr Sa Su DATE MONTH YEAR

Notes

हीराचन्द भाई दामाणी का घर
पार्श्वनाथ भगवान का चित्र
२५ वर्ष चार माह स्थानकवासी साधु
४५ वर्ष की आयु में

- देहावसान - ९१ वर्ष की अवस्था,
  वि.सं. - २०३७ २८ नव. १९८०

- हीरक जयन्ती - वैशाख सुदी 2, २०२० बम्बई
- महात्मा गांधी और गुरुदेव का प्रथम मिलन - राजकोट
- सर्वप्रथम प्रकाशन - समयसार, गुजराती वि.सं. १९९७
- १९८० - नैरोबी अफ्रीका
- सबसे ज्यादा सहयोग - खुशालचन्द भाई 1964/1908
- शुद्धोस्मि बुद्धोसि - चोरी कहा सुनी - सती अनुसूया नाटक, वडोदरा,
- २१ वर्ष में आजीवन ब्रह्मचर्य की प्रतिज्ञा
- आ तो अशरीरी थवानु शास्त्र है। - समयसार
- सभा में १९ बार व्याख्यान - समयसार
- परिवर्तन का समर्थन - परम भक्त हरिभाई आयाणी २८/२/४१
- सर्वप्रथम प्रतिष्ठा - सोनगढ़ - सीमन्धर भगवान - १९९७
- उदयपुर वेदि प्रतिष्ठा - चन्द्रप्रभ भगवान - २०२३ - 01/05/67

Scanned with CamScanner